

03<sup>02</sup>/<sub>2015</sub>

वकील प्रार्थी उपरोक्त वकील प्रार्थी को कुशाग्रपात्र/वकील प्रार्थी के अन्तर्गत किया कि प्रसं. 126/2014 रामप्रसाद vs बंगाली न्यायालय में दाखल दिनांक 16/6/2015 को अतिरिक्त डिक्री किया जाकर वकील प्रार्थी को प्र. नं. 960, 965, 966/1, 966/4 को के अंतर्गत वकील प्रार्थी को दाखल किया गया। परन्तु उक्त निर्णय की आड़ में 501-क के अन्तर्गत पर डिक्री दिनांक 15/01/2019 में वकील प्रार्थी को दिए गए प्रस्ताव नम्बर 966/4 के अन्तर्गत पर 966/5 अंशित हो गया। जो कि लिपिबद्ध प्रुटि है। जिसे कुशल किया जाय अपरपक्ष को अतः डिक्री दिनांक 15/01/2019 में वकील प्रार्थी को प्र. नं. 966/5 के अन्तर्गत पर 966/4 अंशित किए जाने के आदेश सफल किए जायें।

वकील प्रार्थी को कुशाग्रपात्र/वकील प्रार्थी के अन्तर्गत किया। प्रार्थनी के अन्तर्गत वकील प्रार्थी को अन्तर्गत प्रुटि होती है अतः प्रुटि लिपिबद्ध प्रुटि है। जिसे प्रपत्र 151, 152 CPC के अन्तर्गत लें कुशल किया जा सकता है। अतः प्रपत्र प्रार्थी लिखा किया जाकर 501-क के अन्तर्गत पर दिनांक 15/01/2019 को जारी की गई पत्र डिक्री के प्रपत्र लेखा 02 के अन्तर्गत नामानुसार क्रमांक 2 रामप्रसाद व अ-पक्ष के प्र. नं. 966/5 के अन्तर्गत पर 966/4 कुशल किए जाने के आदेश दिए जाते हैं। प्रार्थनी जेलल कुमार दोषा नम्बर लेखा 02 प्रुटि वकील प्रार्थनी के अन्तर्गत लें।

उपखण्डाधिकारी  
धौलपुर (राज.)